

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 6, 1985 (चैत्र 16, 1907)
No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 6, 1985 (CHAITRA 16, 1907)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I---खण्ड 1---भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	335
भाग I---खण्ड 2---भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	437
खण्ड 3---रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—
खण्ड 4---रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	425
भाग II---खण्ड 1---अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	
भाग II---खण्ड 1-क---अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	
भाग II---खण्ड 2---विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिना तथा रिपोर्टें	
भाग II---खण्ड 3-उप-खण्ड (i)---भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपनियमों आदि भी शामिल हैं)	335
भाग II---खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)---भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	1629
भाग II---खण्ड 3-उप-खण्ड (iii)---भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपनियमों भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	31
भाग II---खण्ड 4---रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	111
भाग III---खण्ड 1---उच्चतम न्यायालय, महानेका परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	11565
भाग III---खण्ड 2---पैटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	339
भाग III---खण्ड 3---मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	53
भाग III---खण्ड 4---विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनायादेश, विज्ञापन, और नोटिस शामिल हैं	949
भाग IV---गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	53
भाग V---अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में अरब और मूल्य के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक	

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

1-1GI/35

(335)

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	335	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	31
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	437	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	111
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..		PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	11565
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	425	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	339
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..		PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	53
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..		PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	949
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	53
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	889	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	1629		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1985

सं० 27-ब्रेज/85—राष्ट्रपति निम्नलिखित भ्रमरो/कामिकों को उनकी असाधारण कोटि की कर्तव्यनिष्ठा/साहसिक कार्यों के लिए "सेना मेडल" प्रदान करने का सर्वोच्च अनुमोदन करते हैं :—

1. कर्नल गौतम गोविंद बाहू, बी० एम० एम० (आई० सी० 12713), मराठा वाइट इन्फैंट्री ।
2. लेफ्टिनेंट कर्नल गुर इकबाल सिंह डोडी, शीयं बज (आई० सी० 16598), आर्टिलरी ।
3. लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्कर चंद (आई० सी०-16588), बी० एम० एम०, पैराशूट रेजिमेंट ।
4. लेफ्टिनेंट कर्नल नरेंद्र कुमार गुप्ता (आई० सी०-22126), राजपूत ।
5. लेफ्टिनेंट कर्नल मुरजीत सिंह भागल (आई० सी०-14624), पञ्जाब ।
6. मेजर धीरेन्द्र कुमार अन्ध (आई० सी०-23352), आर्टिलरी ।
7. मेजर कोइकल वयालारिकम माधवन मत्तीश (आई० सी०-24738), आर्टिलरी ।
8. मेजर अजिनाथ बाल्दर रणविशे (आई० सी०-17265), गडवाल राइफल ।
9. मेजर अजय कुमार सिंह (आई० सी०-26561), राजपूत ।
10. मेजर हवामिह दलाल (आई० सी०-26817), राज राइफल ।
11. मेजर पृथ्वीपाल सिंह (आई० सी०-26890), डोगरा ।
12. मेजर देविन्दर जीत सिंह (एम० आर०-02992), आर्मी मेडिकल कोर ।
13. मेजर गोविन्द सिंह शाही (आई० सी०-30514), मद्रास ।
14. मेजर जय बहुगुणा (आई० सी०-25182), बी० एस० एम०, इजीनियर्स ।
15. मेजर बिक्रम कुमार सिंह (एम० आर०-03240), आर्मी मेडिकल कोर ।
16. मेजर गुरमुख सिंह बाली (आई० सी०-22094), गडवाल राइफल ।
17. कैप्टन नरेण पुंडीर (एम० एस०-29522), गडवाल राइफल ।
18. कैप्टन राहुल कप्यार (आई० सी०-33925), आर्टिलरी ।
19. कैप्टन राज गोपाल लक्ष्मण (आई० सी०-38111), आर्टिलरी ।
20. कैप्टन यतीन्द्र मोहन तिवारी (आई० सी०-25849), गोरखा राइफल ।
21. कैप्टन अशोक सिंह पठानिया (आई० सी०-32074), जम्मू और कश्मीर राइफल ।
22. कैप्टन इन्दर भूषण सिंह रावत (आई० सी०-32928), जाट ।
23. कैप्टन समीर कुमार चक्रवर्ती (आई० सी०-34600), गडवाल राइफल ।
24. कैप्टन माधवानन्द बुजानी (आई० सी०-35472), जम्मू और कश्मीर राइफल ।
25. कैप्टन बलविन्दर सिंह कोहली (आई० सी०-35906), डोगरा ।
26. कैप्टन योगेश सिंह चौहान (आई० सी०-36280), गोरखा राइफल ।
27. कैप्टन मुनील वेणुगोपाल (आई० सी०-38018), मद्रास रेजिमेंट ।
28. कैप्टन नरेंद्र सिंह चौहान (आई० सी०-39168), ग्रेनेडियर्स ।
29. कैप्टन जमबीर सिंह धिक (आई० सी०-39260), सिख ।
30. कैप्टन इन्दरजीत सिंह (आई० सी०-40071), ग्रेनेडियर्स ।
31. कैप्टन अमरेंद्र सिंह (एम० एस०-30814), गोरखा राइफल ।
32. कैप्टन गिरीश मोहन शर्मा (आई० सी०-32555), इजीनियर्स ।
33. कैप्टन राजीव रंजन सिन्हा (आई० सी०-34650), इजीनियर्स ।
34. कैप्टन अजित शामराव पाटिल (आई० सी०-34647), इजीनियर्स ।
35. कैप्टन हेम अन्ध लोहमी (आई० सी०-25406), इजीनियर्स ।
36. कैप्टन राम कुमार (आई० सी०-33678), इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल इजीनियर्स ।
37. कैप्टन निगाहकार रामचन्द्र (एम० एस०-11067), आर्मी मेडिकल कोर ।
38. श्री दोर्जी रिजिन (आई० आर० एल० एस०-2369), सहायक कमांडेंट, बी० एस० एफ० ।
39. आई० आर० एल० एस० नं० 2658 सहायक कमांडेंट प्रभु सिंह, बी० एस० एफ० ।
40. सैकिड लेफ्टिनेंट भानुद कुमार (आई० सी०-40566), असम रेजिमेंट ।
41. सैकिड लेफ्टिनेंट संजय आनन्द (एम० एस०-31041), राजपूताना राइफल ।
42. सैकिड लेफ्टिनेंट अन्वर दीप (आई० सी०-12666), आर्टिलरी ।
43. जे० सी०-63836 सूबेदार कुरियाकोज, मद्रास ।
44. जे० सी०-75391 सूबेदार नामग्याल लामा, जम्मू-कश्मीर राइफल ।
45. जे० सी०-78579 सूबेदार राम सावंत मराठा ।
46. जे० सी०-84329 सूबेदार गोलप अन्ध गोगोई, असम रेजिमेंट ।
47. जे० सी०-88232 सूबेदार वरयाम सिंह, जम्मू-कश्मीर राइफल ।
48. जे० सी०-96133 सूबेदार राम सिंह, सिख ।
49. जे० सी०-100793 सूबेदार अजय सिंह, गडवाल राइफल ।
50. जे० सी०-101973 सूबेदार गोपाल गिरि, कुमाऊ ।
51. जे० सी०-103469 सूबेदार प्रेम सिंह रावत, गडवाल राइफल ।
52. जे० सी०-108415 सूबेदार विष्णु राम, बिहार ।
53. जे० सी०-112584 नायब सूबेदार छेरिंग सुतुप, महाबलकाण्ड ।
54. जे० सी०-115838 नायब सूबेदार केशर सिंह, कुमाऊ रेजिमेंट ।

55. 2655150 नायक सूबेदार तारा चन्द, ग्रेनेडियर्स ।
56. जे० सी०-एन० बाई० ए०-5235952 नायक सूबेदार कुल बहादुर राणा, गोरखा राइफल्स ।
57. जे० सी०-एन० बाई० ए०-9078072 नायक सूबेदार राम लाल, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैन्ट्री ।
58. जे० सी०-111702 नायक सूबेदार श्याम दत्त, इंजीनियर्स ।
59. जे० सी०-117093 नायक सूबेदार संभियाम जॉसेफ बाम्बी गुरै, इलैक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल इंजीनियर्स ।
60. जे० सी०-130353 नायक सूबेदार विक्रम सिंह राणा, इलैक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल इंजीनियर्स ।
61. 4045145 कम्पनी हवलदार मेजर कुंवर सिंह, गढ़वाल राइफल्स ।
62. 13608485 कम्पनी हवलदार मेजर बृहस्पति सिंह, पैराशूट रेजिमेंट ।
63. 2865633 हवलदार कल्याण सिंह, राजपूताना राइफल्स ।
64. 2968198 हवलदार रतन सिंह, राजपूत ।
65. 4346076 हवलदार मुंगम भनल, भनम रेजिमेंट ।
66. 5336230 हवलदार चन्द्र बहादुर पुन, गोरखा राइफल्स ।
67. 5442112 हवलदार दीप बहादुर गुर्ग, 6 गोरखा राइफल्स (एफ० एफ०) ।
68. 1242865 हवलदार लाल चन्द, आर्टिलरी ।
69. 5743187 हवलदार विष्णु कुमार थापा, 8 गोरखा राइफल्स ।
70. 9921340 हवलदार सोनम प्रांगचोक, लद्दाख स्काउट्स ।
71. 1355785 हवलदार पद्मनाभन करंगीत, नायर, इंजीनियर्स ।
72. 55736 हवलदार शमशेर बहादुर रोका, भनम राइफल्स ।
73. 2763234 लांस हवलदार किसन पवार, मराठा ब्राइट इन्फैन्ट्री ।
74. 9413543 लांस हवलदार पुजेंद्र सिंह भासलेन, 11 गोरखा राइफल्स ।
75. 2665298 नायक धर्मजीत सिंह, ग्रेनेडियर्स ।
76. 2865304 नायक चन्दर भान, राजपूताना राइफल्स ।
77. 3372426 नायक सुरजीत सिंह, सिख ।
78. 3372657 नायक गुरबचन सिंह, सिख रेजिमेंट ।
79. 9083143 नायक केवल राज, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैन्ट्री ।
80. 9921286 नायक छेबांग मरब, लद्दाख स्काउट्स ।
81. 13669506 नायक भीम सेन, गार्ड्स ।
82. 1455597 नायक बलदेव बांगड, इंजीनियर्स ।
83. 14214354 नायक रोजन लाल, सिगनल्स । (मरणोपरान्त)
84. 14334282 लांस नायक कुलदीप सिंह, आर्टिलरी ।
85. 4054152 लांस नायक बीरेन्द्र सिंह रावत, 5 गढ़वाल राइफल्स ।
86. 4054892 लांस नायक गोविन्द सिंह, गढ़वाल राइफल्स ।
87. 4056624 लांस नायक भरत सिंह, गढ़वाल राइफल्स ।
88. 4168901 लांस नायक भुपाल सिंह, स्काउट्स बटालियन (कुमाऊं) ।
89. 9921536 लांस नायक मोहम्मद शफी, लद्दाख स्काउट्स ।
90. 13665648 लांस नायक सुनील कुमार साहा, गार्ड्स ।
91. 13673579 लांस नायक रघु नाथ गार्ड्स ।
92. 9412902 लांस नायक भीम बहादुर लिम्बु, 1/11 गोरखा राइफल्स (मरणोपरान्त)
93. 1405904 लांस नायक लक्ष्मिंदर सिंह, इंजीनियर्स ।
94. 14211823 लांस नायक प्रीतम सिंह राणा, सिगनल्स ।
95. 7770271 लांस नायक ब्रज सुन्दर पटनायक, मिलिटरी पुलिस ।
96. 18772 लांस नायक भनम बहादुर छेत्री, भनम राइफल्स ।
97. 1065153 सवार जवाहर सिंह, आर्मेड कोर ।

98. 15553659 सैपर हर देव सिंह, इंजीनियर्स ।
99. 3376052 सिपाही बलबीर सिंह, सिख ।
100. 3981419 सिपाही गोपाल सिंह, डोगरा ।
101. 3982473 सिपाही बलविन्दर सिंह, डोगरा रेजिमेंट ।
102. 4056075 राइफलमैन ज्ञान सिंह, गढ़वाल राइफल्स ।
103. 4250499 सिपाही मिताही राम, बिहार रेजिमेंट ।
104. 5258163 सिपाही मृगील श्रीवास्तव, बिहार ।
105. 4258373 सिपाही विनय प्रसाद शर्मा, बिहार ।
106. 4259523 सिपाही शंकर दयाल राय, बिहार रेजिमेंट ।
107. 4259773 सिपाही कुलदेव माझी, बिहार ।
108. 5749747 राइफलमैन बिमल कुमार थापा, 8 गोरखा राइफल्स ।
109. 13614887 पैराशूट पर श्याम लाल, पैराशूट रेजिमेंट ।
110. 6470243 सिपाही शैलेन्द्र कुमार सिंह, आर्मी सर्विस कोर ।
111. 13868484 सिपाही अरविंद भाई पटेल, आर्मी सर्विस कोर । (मरणोपरान्त)

सं० 28-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों को उनकी प्रसाधारण कोटि की कर्तव्यनिष्ठा/साहसिक कार्यों के लिए "सेना मेडल का बार" प्रदान करने का सर्वोच्च अनुमोदन करते हैं :-

1. मेजर सुरिन्दर सिंह (आई० सी०-26043), एस० एम० सिख ।
2. मेजर विजय कुमार बत्ता (आई० सी०-29732), एस० एम० गोरखा राइफल्स ।

सं० 29-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों/कर्मियों को उनकी प्रसाधारण कोटि की कर्तव्यनिष्ठा/साहसिक कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल" प्रदान करने का सर्वोच्च अनुमोदन करते हैं :-

1. बिग कमांडर जरणजीत सिंह संघु, कोर ब्र (5591), उड़ान (पायलट) ।
2. बिग कमांडर दिलीप छोटू सान्भरे (7431), उड़ान (पायलट) ।
3. बिग कमांडर उज्ज्वल रामचन्द्र डावीर (7665), उड़ान (पायलट) ।
4. बिग कमांडर वासुदेवन वत्सलन नायर (7693), उड़ान (पायलट) ।
5. बिग कमांडर जोगेन्द्र मिश्र सिसोदिया (7696), उड़ान (पायलट) ।
6. बिग कमांडर प्रीतम सिंह (8127-एम०), उड़ान (पायलट) ।
7. बिग कमांडर नरिन्दर सिंह बहल (8155), उड़ान (पायलट) ।
8. बिग कमांडर महावीर प्रसाद प्रेसी, कोर ब्र (8378), उड़ान (पायलट) ।
9. बिग कमांडर राजपाल सिंह गरबा (8413), उड़ान (पायलट) ।
10. बिग कमांडर हरवीण सिंह सोढी (9000), उड़ान (पायलट) ।
11. बिग कमांडर मनमोहन कपूर (9522), उड़ान (पायलट) ।
12. बिग कमांडर परमजीत सिंह सूत (9719), उड़ान (पायलट) ।
13. स्वर्वाङ्गन लीडर जोहम नागराज (10451), उड़ान (पायलट) ।
14. स्वर्वाङ्गन लीडर भानुजयवंत राव (10512), उड़ान (पायलट) ।
15. स्वर्वाङ्गन लीडर गुरमोहिन्दर सिंह बाजबा (10514), उड़ान (पायलट) ।
16. स्वर्वाङ्गन लीडर सुरिन्दर सिंह बैम (11288), उड़ान (पायलट) ।
17. स्वर्वाङ्गन लीडर रोहित राय (13160), उड़ान (पायलट) ।
18. फ्लाइट लेफ्टिनेंट नाहुलाल मोहन राय (13841), एयरनोटिकल इंजीनियरिंग (मैकेनिकल) ।
19. 218480-एस० मास्टर वारंट अफसर गोपी राम पुनिया, फ्लाइट इंजीनियर ।
20. 271455 वारंट अफसर गङ्गूरी कासी विश्वनाथम्, फ्लाइट गनर ।
21. 613557-आर० कारपोरल एच० आर० जोशी, ई० एम्पु० एसिस्टेंट ।

22. 616762 कारपोरल कामदेव प्रसाद मिश्र, आई० ए० एफ०/पुलिस।

सं० 30-प्रेज/85—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसर को उनकी असक्षारण कोटि की कसौटी पर साहसिक कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल का बार" प्रदान करने का महर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. विंग कमांडर भक्तिकर्ष जयन्ता मदन, र्था० एम० (7681), उड़ान (पायलट)।

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1985

सं० 31-प्रेज/85—शुद्धिपत्र—सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से सम्बन्धित दिनांक 8 दिसम्बर, 1984, के भारत के राजपत्र के भाग 1, खण्ड 1, में प्रकाशित इस मन्त्रिमंडल की दिनांक 23 नवम्बर, 1984, की अधिसूचना सं० 115-प्रेज/84, में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

पृष्ठ 1 पर

श्री रमेश, एव-2/686, जहांगिरपुरी, दिल्ली, से सम्बन्धित प्रशस्ति की पहली पंक्ति में "4 नवम्बर, 1984" के स्थान पर "4 गिनम्बर, 1982" पढ़ें।

मु० सीतकण्ठन, राष्ट्रपति के उप सचिव

मन्त्रिमंडल सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1985

संकल्प

सं० 82/1/1/83-मन्त्रिमंडल सचिवालय द्वारा "ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय निधि" स्थापित करने हेतु 10 फरवरी, 1984 को जारी किए गए संकल्प सं० 82/1/4/83-मन्त्रिमंडल में जो भारत के राजपत्र के भाग 1 खंड 1 में 25 फरवरी, 1984 को प्रकाशित हुआ था, निम्नलिखित संशोधन किया जाए :—

उपर्युक्त संकल्प के पैरा 2 में, प्रविष्टि 5 का निम्नलिखित प्रविष्टि से प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :—

"5. सचिव, भारत सरकार, ग्रामीण विकास विभाग,

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय . . . सचिव"
आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिनिधि भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों तथा राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रेषित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की सर्व सामान्य की सूचना हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आर० बेंकटनारायणन, अपर सचिव, मन्त्रिमंडल

योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

सं० ओ०-15011/1/82-एम०ई०आर०—संदर्भ योजना आयोग का दिनांक 6 अगस्त, 1982 का संकल्प संख्या ओ०-15011/1/80-एम०ई०आर० का पैरा 1।

2. "समिति का गठन" में क्रम संख्या 2 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाए :

3. डा० राजा जे० चेलप्पा, सदस्य, योजना आयोग

4. डा० ए० एम० खुसरो, अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक जित तथा नीति संस्थान, विशेष संस्थागत क्षेत्र, मंत्री जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।

3. क्रम संख्या 3 पर वर्तमान प्रविष्टि को हटा दिया जाए तथा शेष प्रविष्टियों को फिर से क्रम संख्या 5 से 19 तक की जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों तक पहुंचा दी जाए और इसे सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सा० प्रधान, निदेशक (प्रशासन)

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1985

नियम

संख्या 10/6/84-के०से० (ii)—कर्मचारी चयन आयोग, (गृह मंत्रालय) कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा केन्द्रीय सचिवालय आशु-लिपिक सेवा के ग्रेड "घ" में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए वर्ष 1985 के दौरान प्रत्येक दो महीने में एक बार महीने के द्वितीय शनिवार तथा रविवार और यदि आवश्यक हो तो उसके बाद पड़ने वाली छुट्टी/रविवार को ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बन्धित नियम जन साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का निर्धारण सरकार द्वारा समय-समय पर किया जाएगा और कर्मचारी चयन आयोग को इसकी सूचना आयोग द्वारा परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए जाने से पहले दे दी जायेगी। प्रत्येक परीक्षा के लिए रिक्तियों की संख्या लगभग 50 होगी। भारत सरकार द्वारा यथानिर्धारित रिक्तियों के संबंध में भूतपूर्व सैनिकों अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण किए जायेंगे।

(i) भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने संघ की सशस्त्र सेनाओं में, जिनके अन्तर्गत भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं भी शामिल हैं, किन्तु जिनके अन्तर्गत आसाम राइफल्स, सेना सुरक्षा फ़ोर, अनरल/रिजर्व इंजीनियरी बल, लोक सहायक सेना और प्रादेशिक सेना नहीं आते, शपथ ग्रहण के पश्चात् कम से कम छह मास की निरन्तर अवधि तक किसी रैंक में (चाहे योद्धा के रूप में या गैर योद्धा के रूप में) सेवा की है, और

(क) जिसे उसके अपने अनुरोध पर या कदाचार अथवा अदक्षता के कारण पदच्युति या बर्खास्तगी के कारण के अलावा अन्य किसी रूप में निर्मुक्त कर दिया गया है, अथवा ऐसी निर्मुक्त तक के लिए रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया गया है; या

(ख) जिसे यथापूर्व निर्मुक्त या रिजर्व में स्थानांतरित किये जाने के लिए हकदार बनने के लिए अपेक्षित सेवा की अवधि पूरी करने के लिए अधिक से अधिक छह मास सेवा करनी है; या

(ग) जिसे संघ की सशस्त्र सेनाओं में पांच वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् उसके अपने ही अनुरोध पर निर्मुक्त कर दिया गया है।

(ii) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से ऐसे शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिन्हें शारीरिक खराबी हो अथवा अंग विकृत हो जिससे कार्य करने में हड़्डी, पेशियों तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा पैदा होती हो।

परीक्षा में बैठने वाले शारीरिक रूप से विकलांगों तथा अन्य वर्ग के व्यक्तियों को कोई सहायक लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(iii) संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति), आदेश, 1950 संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) संघ राज्य क्षेत्र (आदेश, 1951) (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति) (सूचियां) (संशोधन) आदेश 1958 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जाति आदेश 1959, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959 अनुसूचित जाति आदेश अधिनियम 1976 संविधान (वाकरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (वाकरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जन जाति आदेश 1963 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970,

अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, संविधान (मिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (मिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी। प्रवेश के प्रयोजन के लिए उन्हें अपने आवेदन पत्र परिशिष्ट-11 में दिए गए प्रपत्र के अनुसार मादे कागज पर भेजने होंगे। इन आवेदन पत्रों को संबंधित मंत्रालय/विभाग/कार्यालय द्वारा संबंधीता के बाद परीक्षा लिए जाने वाले महीने से पिछले महीने की अधिक से अधिक 1 तारीख तक कर्मचारी चयन आयोग को अर्पित कर दिया जाएगा।

4. नियमित रूप से नियुक्त केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा का कोई भी स्थायी या अस्थायी अवर श्रेणी/उच्च श्रेणी लिपिक इस परीक्षा में बैठने तथा उन रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा देने का पात्र होगा।

4(1) सेवाकाल : उमने "निर्णायक तारीख" को (जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा समूह "ब") प्रतियोगिता परीक्षा [विनियम, 1969 के विनियम 2 (क) में परिभाषित है] केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड अथवा उच्च श्रेणी ग्रेड में कम से कम 2 वर्षों की अनुमोदित और लगातार सेवा की हो।

टिप्पण-1—अनुमोदित और लगातार सेवा की दो साल की ऐसी अवधि सीमा उस स्थिति में भी लागू होगी जब कुछ गिनी जाने वाली इस सेवा के लिए किसी उम्मीदवार द्वारा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड और उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में आंशिक रूप से सेवा की गई हो।

टिप्पण-2—केन्द्रीय सचिवालय सेवा की अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड या उच्च श्रेणी के वे अधिकारी जो गश्म प्राधिकारों की स्वीकृति से निःसंवर्ग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हो तो इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। यह ज्ञात उस अधिकारी पर भी लागू होती है जो स्थानान्तरण पर किसी निःसंवर्ग पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और यदि उस अधिकारी का केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो।

टिप्पण-3—अवर श्रेणी या उच्च श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त अधिकारी का अर्थ उस अधिकारी से है जिसका केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम 1962 के प्रारम्भ होने से केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के किसी संवर्ग में आबंटन हो या उसके पश्चात् उस सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च ग्रेड में सीधे कालोन आधार पर जैसी भी स्थिति हो, निर्धारित कार्य पद्धति के अनुसार नियुक्त हो।

(2) आयु : इस परीक्षा के लिए किसी उम्मीदवार की आयु "निर्णायक तारीख" को (जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा समूह "ब") [प्रतियोगिता परीक्षा विनियम 1969 के नियम 2(ख) में परिभाषित है] 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(3) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में स्थापन के बाद कम से कम "छः महीने की निरंतर सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी। इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित अथवा अनारक्षित सभी रिक्तियों के लिए प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

टिप्पणी :-उपरोक्त नियम 3 के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवाहू पर सेवा ("काल आफ सर्विस") की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

5. ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और छील दी जा सकेगी :-

- यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25

मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उमने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

- यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उमने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रजनन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- यदि उम्मीदवार सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गये रक्षा कामिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कामिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे सीमा सुरक्षा बल के रक्षा कामिकों के लिये अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कामिकों के लिये जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(xiv) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है तथा भारत भूतक का वास्तविक प्रभावित व्यक्ति (भारतीय पारपत्रधारी) है तथा मध्य ही वियतनाम में भारतीय राज-तूतावास द्वारा जारी आपातकाल प्रमाण पत्र रखने वाला ऐसा उम्मीदवार है जो वियतनाम में जुलाई, 1975 के बाद आया है तो अधिकतम आठ वर्ष तक, और

(xv) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है और वह आंशिक रूप से बहरा है तो अधिक से अधिक 10 वर्ष।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती है।

6. परीक्षा में असफल होने वाला उम्मीदवार अगली परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं होगा, परन्तु उससे अगली या उसके बाद की ही परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

7. ऐसे किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा जिसके पास आयोग द्वारा दिया गया प्रवेश पत्र न हो।

8. सामान्य उम्मीदवारों को रु० 8.00 (केवल रु० आठ) तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को रु० 2.00 (केवल रु० दो) की निर्धारित फीस पोस्टल आर्डरों या बैंक ड्राफ्टों के द्वारा वेनी होगी। भूतपूर्व सैनिकों द्वारा कोई फीस नहीं दी जानी है।

9. अपनी उम्मीदवारी के लिये किसी भी साधन द्वारा समर्थन प्राप्त करने के प्रयास किये जाने से प्रवेश के लिये उसे अनर्हक किया जा सकेगा।

10. यदि किसी उम्मीदवारी को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिये दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने:—

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति के छद्म रूप से कार्य साधन कराया है अथवा

(iv) जारी प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा

(v) गलत या झूठे वक्तव्य दिया है या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या

(viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अप्रामाण्य भाषा की हों, या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या

(x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक अति पहुँचाई हो,

(xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिये अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिये

(i) आयोग द्वारा सी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिये,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी में, बारित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुषासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

11. परीक्षा के बाद उम्मीदवारों को आयोग द्वारा एक सूची में प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गये कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम के अनुसार रखा जायेगा और इसी क्रम में उन उम्मीदवारों को, जिनमें को आयोग द्वारा, उत्तीर्ण समझा जायेगा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड "घ" के पदों में परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिये सिफारिश की जायेगी।

लेकिन यह भी ज्ञात है कि यदि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई हो तो कर्मचारी चयन आयोग द्वारा निर्धारित सामान्य स्तर के अनुसार उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त घोषित कर देने पर उसे सेवा/पद में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान किए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी। आयोग द्वारा जिन भूतपूर्व सैनिकों को परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त समझा जायेगा वे उनके लिए आरक्षित रिक्तियों में नियुक्त होने के पात्र होंगे चाहे इस परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो।

परन्तु यह भी कि यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटे में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, सेवा में चयन करने के लिए उनकी सिफारिश की जाए वरन् कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं में चयन के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु यह भी कि यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई भूतपूर्व सैनिक चुन लिया जाता है तो उसके चयन की गणना आरक्षण के ऐसे सम्पूर्ण कोटे के प्रति की जाएगी, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिए उपबन्धित किया जाए।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह भी राख्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक। परीक्षा के लिए परिणामों के आधार पर सेवा के ग्रेड "घ" में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या निश्चित करने के लिए सरकार पूर्णतः सक्षम है। अतः किसी भी उम्मीदवार का इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर, एक अधिकार के तौर पर ग्रेड "घ" आशुलिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं होगा।

12. अलग-अलग उम्मीदवारों के परीक्षा-परिणामों की सूचना के स्वरूप तथा प्रकार के बारे में आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार निर्णय किया जाएगा और आयोग उसके साथ परीक्षा फल के बारे में कोई पत्राचार नहीं करेगा।

13. परीक्षा में सफलता मात्र से ही चयन का तब तक कोई अधिकार नहीं मिलता जब तक कि सरकार द्वारा यथावश्यक जांच पड़ताल न हो जाये कि उम्मीदवार सेवा में अपने चरित्र को दृष्टि में चयन के लिए सब प्रकार से उपयुक्त है।

वह उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पश्चात् अथवा उसमें बैठने के पश्चात् अपने पद से त्याग पत्र दे देता है अथवा सेवा को अथवा छोड़ देता है, अथवा उसके साथ बिच्छेव कर लेता है, उसके विभाग द्वारा उसकी नौकरी समाप्त कर दी जाती है अथवा जो उम्मीदवार, "स्थानान्तरण" पर किसी संबंधित बाह्य पद अथवा किसी दूसरी सेवा में नियुक्त किया जाता है और केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में उसका पूर्ण ग्रहणाधिकार नहीं होता है उस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

किन्तु यह उस उम्मीदवार पर लागू नहीं होता जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंशय पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

एच० जी० मंडल
अवर सचिव,

परिशिष्ट—I

उम्मीदवारों को अंग्रेजी में या हिन्दी में 10 मिनट की एक श्रुतलेख की परीक्षा 80 शब्द प्रति मिनट की गति से देनी होगी। जो उम्मीदवार अंग्रेजी परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 65 मिनट में लिप्यंतर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें क्रमशः 75 मिनट में लिप्यंतर करना होगा। आशुलिपि परीक्षा के लिए अधिकतम अंक 300 होंगे।

टिप्पणी :—जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आशुलिपि और जो उम्मीदवार आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि सीखनी होगी।

2. उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि के फोटों का टाइपराइटर पर लिप्यंतरण करना होगा और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपने साथ अपने टाइपराइटर लाने होंगे।

परिशिष्ट—II

प्रपत्र

कर्मचारी चयन आयोग

ग्रेड "ब" आशुलिपि प्रतियोगिता परीक्षा

अन्तिम तारीख—परीक्षा के महीने में
पहले के महीने की 1 तारीख

यहाँ उम्मीदवार के पास पोस्ट साईज के फोटो की हस्ताक्षरित प्रति चिपकाई जाए। दूसरी हस्ताक्षरित फोटो की प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न की जानी चाहिए।

- (1) पोस्टल आई/बीक डाफ्ट का विवरण और मूल्य
- (2) उम्मीदवार का नाम श्री/श्रीमती/कुमारी (साफ अक्षरों में)
- (3) सही जन्म तिथि (ईस्वी सन् में)
- (4) जिस कार्यालय में कार्य कर रहे हों उसका नाम तथा पता

(8) क्या आप :

- (i) अनुसूचित जाति—
- (ii) अनुसूचित जनजाति—
- (iii) भूतपूर्व सैनिक—
- (iv) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति हैं ?
तो उत्तर हाँ अथवा नहीं में दें।

- (6) (i) पिता का नाम
- (ii) पति का
(महिला उम्मीदवार के मामले में)

- (7) जिस भाषा (हिन्दी अथवा अंग्रेजी) में आप आशुलिपि परीक्षा देना चाहते हों, उसका नाम लिखें।

(8) क्या आप पिछली परीक्षा में बैठे थे यदि हाँ तो अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा का महीना लिखें।

(9) क्या आप केन्द्रीय सचिवालय विधिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड/उच्च श्रेणी ग्रेड के स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी अधिकारी हैं ? और क्या आपने उस वर्ष की पहली जनवरी को जिसमें परीक्षा होनी है संगत ग्रेड में न्यूनतम दो वर्ष की अनुमोदित लगातार सेवा कर ली है।

(10) यदि आप सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं अथवा संवर्ग बाह्य पद पर स्थानांतरण के आदेश पर हैं तो क्या आप पूर्व पद पर अपना धारणाधिकार (लियन) रखेंगे।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

उस कार्यालय के विभागाध्यक्ष द्वारा भरा जाने के लिए जिसमें उम्मीदवार सेवा कर रहा है।

प्रमाणित किया जाता है कि :—

- (1) आवेदन पत्र के कालमें उम्मीदवार द्वारा की गई प्रविष्टियों को उसके सेवा रिकार्डों से जांच कर ली गई और वे सही हैं।
- (2) उसके आवेदन पत्र की जांच कर ली गई है और प्रमाणित किया जाता है कि वह नियमों में निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करता है तथा वह परीक्षा में बैठने के लिए सभी तरह से पात्र है।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
विभाग/कार्यालय

संख्या—

तारीख—

टिप्पणी :—जो उम्मीदवार एक बार फेल हो जाता है वह केवल अगले तीनों सहीनों के बीच की परीक्षा में बैठ सकता है अर्थात् जो उम्मीदवार अप्रैल में ली जाने वाली परीक्षा में फेल हो जाए तो वह अगस्त अथवा उसके बाद होने वाली परीक्षा में बैठ सकता है।

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1985

नियम

सं० 6/2/85-के० से०-1—निम्नलिखित (सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 1985 में खंड लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग का ग्रेड—iv (सहायक) ;
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड ;
- (iv) मशरूम सेवा मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड ; और
- (v) भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों और सम्बद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेलवे बोर्ड

सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/शतस्र संना मुख्यालय
मिक्लि सेवा में सम्मिलित नहीं है।

(1) कोई भी उम्मीदवार ऊपर की किसी एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकता है।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जायेंगे।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के पताका "क" परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जायेगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जाएंगे।

4 उम्मीदवार को या तो—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या वह

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा निम्नलिखित शरणार्थी, जो भारत से स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ.) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ.) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्रना (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिनके लिये पत्रना प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिये जाने पर ही दिया जायेगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो, उसे तीन प्रयास से अधिक की अनुमति नहीं दी जायेगी। यह प्रतिबन्ध वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

टिप्पणी :—1. यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो तो इस नियम के प्रयोजन के लिए मान लिया जायेगा कि वह उक्त परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सब सेवाओं/पदों के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी :—2. यदि कोई उम्मीदवार वस्तुतः एक या अधिक विषयों में बैठा हो तो यह मान लिया जायेगा कि वह परीक्षा के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी :—3. उम्मीदवार के परीक्षा में उपस्थित होने को उसके द्वारा लिया गया एक अवसर गिना जायेगा चाहे वह परीक्षा हेतु अयोग्य ठहरा दिया जाये। उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

6. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह आवश्यक है कि 1 जनवरी, 1985 को उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की हो चुकी है और किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु नहीं अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1960 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1965 के बाद न हुआ हो।

(ख) भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों तथा साब में संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों के अधीन विभागों/कार्यालय या चुनाव आयोग

और केन्द्रीय सरकारों आयोग के कार्यालयों या लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय में कम से कम 3 वर्ष की लगातार तथा नियमित सेवा 1 जनवरी 1985 तक कर लेने वाले लोगर डिबोजन क्लर्क, अपर डिबोजन क्लर्क/स्टेनोग्राफरों ग्रेड 8 के मामले में 30 वर्ष की आयु तक की जा सकेगी।

ऐसे पदों पर कार्य कर रहे उम्मीदवार जिनका पदनाम लोगर डिबोजन क्लर्क/अपर डिबोजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर ग्रेड 8 नहीं है, इस उप-नियम के अन्तर्गत आयु में छूट पाने के पात्र नहीं होंगे भले ही उनके द्वारा धारित पद समान वेतनमान के ही क्यों न हो।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और छील दी जा सकेगी :—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(vi) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(vii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(viii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया, संयुक्त गण-राज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रजनन किया हो, तो जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भारत सरकार से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(xi) किसी दूसरे देश के साथ संबंधों में या किसी अर्थात्मिक क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विफलता होने के फलस्वरूप सेवा में निरुक्त किये गये ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसे पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाणपत्र है और जो वियतनाम से जून 1975 से पहले भारत लौटा आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xiii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसे पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाणपत्र हो और जो वियतनाम से जून 1975 के बाद भारत आया हो, तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xiv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1985 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल से समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1985 को छः महीनों के अंदर पूरा होता है) या (ii) दैनिक सेवा से हुई शारीरिक अप्रगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(xv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1985 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल से समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1985 को छः महीनों के अंदर पूरा होता है) या (ii) दैनिक सेवा से हुई शारीरिक अप्रगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

(xvi) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रश्रजन्त कर भारत आया था तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(xvii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रश्रजन्त कर भारत आया है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

उपर की गयी व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

टिप्पणी :—जिस उम्मीदवार को नियम 6(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश न दिया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से ग्राह्यपत्र दे देता है या विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं किन्तु पं. वेदा 14 में दत्त समग्र यदि उसकी सेवा या पद

में छूटती हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा। जो जोधर डिबीजन स्वर्क/अरर डिबीजन स्वर्क/स्टेनोग्राफर ग्रेड-ब मक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन लेकर किसी संबंध बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त हैं या जिसका किसी अन्य पद पर स्थानान्तरण हो जाता है किन्तु जिस पद पर से स्थानान्तरित हुआ है उस पर उसका नियत बना रहेगा है वह यदि अन्यथा उपयुक्त हुआ तो परीक्षा में प्रवेश का पात्र बना रहेगा।

7. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान सभा सभजन द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संग्रह के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1965 के खण्ड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गयी किसी अन्य शिक्षा संस्था की डिग्री होनी चाहिए।

टिप्पणी : I—ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष हों, रखने वाले उम्मीदवार इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी : II—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करने का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी : III—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपयुक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गयी कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

8. जो उम्मीदवार नगरकारी तौर पर में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों, चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हुए हों पर आकस्मिक या दैनिक तौर पर नियुक्त न हुए हों या वे जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हैं उन सब को इस आशय का परिचय (अव्वरटैकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यलय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियुक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जायेगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. उम्मीदवार को आयोग के नीटिस के पैग-6 में निर्धारित फीस देनी होगी।

12. जिस उम्मीदवार ने —

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

- (iv) जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे व्यक्तित्व दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर भ्रमगत बातें लिखी हों, जो अश्लील भाषा में अभद्र आशय की हों, या
- (ix) परीक्षा खत में और किसी प्रकार का दुर्य्यवहार किया हो,
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या उन्हें अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो।
- (xi) उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो।
- (xii) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए अवप्रेरित किया हो तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अन्यायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—
- (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से बर्बरित किया जा सकता है और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक—

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित, अभ्यावेदन जो वह दे जाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन, पर यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर, उनके योग्यता-क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य माने गये हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तथा अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, जाहे परीक्षा के योग्यता-क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए जा सकेंगे, बशर्त कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग रख्य करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं के अधीन परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा विस्तृत आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बनाये गये शरीरता-क्रम पर उचित ध्यान दिया जायेगा। यह आवेदन पत्र आयोग द्वारा उसका तभी दिया जायेगा जब वह उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर अन्तिम रूप से भर्तना प्राप्त घोषित कर दिया जाता है।

16. नियुक्तियों दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जायेगी। यदि आवश्यक समझा गया तो परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जा सकती है।

17. उम्मीदवार को सहायक ग्रेड में उनकी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अंग्रेजी टाइपिंग या 25 शब्द प्रति मिनट की गति से हिन्दी टाइपिंग पास करनी होगी। यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास न कर सके तो वे सहायक ग्रेड में आगे वेतन वृद्धि पाने के तब तक हकदार नहीं होंगे जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास न कर लें या उन्हें किसी विशेष या सामान्य आदेश के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से छूट न दी जाये और परीक्षा पास कर लेने पर या उसमें छूट मिल जाने पर उनका वेतनमान कर फिर से इस प्रकार नियत किया जायेगा कि उनकी वेतन वृद्धि रोकी हो नहीं गयी थी परन्तु जितनी अवधि के लिए वेतन वृद्धि रोकी हो नहीं उग अवधि का बकाया वेतन उन्हें नहीं दिया जायेगा।

18. जिन व्यक्तियों ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति में विवाह या विवाह सम्बन्ध किया है जिसका जोखित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जोखित पति/पत्नी के रहते हुए किसी से विवाह या विवाह सम्बन्ध किया है तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जायेगा। परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के तुरन्त पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस निषेध से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह शात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिनकी नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किये जाने की संभावना है।

20. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार खरित तथा पूर्वोक्त की दृष्टि से इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

21. भारतीय विदेश सेवा (ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, केन्द्रीय सचिवालय सेवा और सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सहायकों के पदों की सेवा की शर्त परिशिष्ट-I में संक्षिप्त में दी गयी है :—

बी० डी० चड्ढा, अध्यक्ष

परिशिष्ट—I

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

क्र.सं.	विषय	कोड सं०	पूर्णांक	दिया गया समय
1.	निबन्ध	01	100	2 घण्टे
2.	अंग्रेजी—दो भागों में			
	I और II	200	200	3 घण्टे
	भाग—I	02	70	1 घण्टे
	भाग—II	03	130	2 घण्टे
3.	अंकगणित	04	100	2 घण्टे
4.	सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल भी सम्मिलित है	05	100	2 घण्टे

विशेष ध्यान :—यदि कोई उम्मीदवार अंग्रेजी प्रश्नपत्र के सामने में अनुमत समय सीमा में परीक्षा भवन में नहीं पहुँचता है और उसे भाग I परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता है तो वह उक्त प्रश्न पत्र की भाग II परीक्षा में बैठने का हकदार नहीं होगा।

2 अंग्रेजी भाग—I—अंकगणित और सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल सम्मिलित है के प्रश्न-पत्रों में वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे।

3. परीक्षा का पाठ्यविवरण साथ संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

4. उम्मीदवार प्रश्न पत्र—I का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अंग्रेजी में दे सकते हैं। निबन्ध, अंकगणित तथा सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल सम्मिलित है के प्रश्न-पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किये जायेंगे।

टिप्पणी 1—यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगा उसी प्रश्न पत्र के विभिन्न प्रश्नों के लिए नहीं।

टिप्पणी 2—प्रश्न पत्र I के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में विकल्प में देने वाले उम्मीदवारों को अपने इस इरादे का उल्लेख आवेदन पत्र के कालम 14 में स्पष्ट रूप से करना चाहिए नहीं तो यह समझा जायगा कि वे प्रश्न पत्र I का उत्तर अंग्रेजी में ही देंगे।

एक बार लिया गया विकल्प अन्तिम माना जाएगा और उक्त कालम में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

यदि उम्मीदवार प्रश्न पत्र I के उत्तर आवेदन पत्र में निर्दिष्ट माध्यम के अलावा किसी अन्य माध्यम में लिखते हैं तो उन उम्मीदवारों के उक्त प्रश्न पत्र का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

जो उम्मीदवार निबन्ध के प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प दे चुके हैं वे अगर चाहें तो हिन्दी की तकनीकी शब्दावली यदि कोई हो, के साथ-साथ अंग्रेजी पर्याप्त भी दे सकते हैं।

5. उम्मीदवारों की सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा पर परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) श्रृंखला निर्धारित कर सकता है।

7. केवल मनुष्यी ज्ञान के लिए श्रृंखला नहीं दिए जायेंगे।

8. खराब लिखाई के कारण प्रत्येक विषय के पूर्णांकों में से 5 प्रतिशत तक श्रृंखला काट लिए जायेंगे।

9. निबन्ध तथा अंग्रेजी भाग—II में कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभावपूर्ण ढंग में और ठीक-ठीक की गयी भावार्थ-व्यक्ति को विशेष श्रेय दिया जाएगा।

10. प्रश्न पत्र, जहाँ आवश्यक हों, तेलों और साँतों की मीट्रिक प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखने समय भारतीय अंकों के अंतराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

12. उम्मीदवार वस्तुपूरक प्रश्न पत्रों (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

अनुसूची

परीक्षा की पाठ्यचर्या

(1) निबन्ध (कोड सं० 01) :—दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा।

(2) अंग्रेजी

अंग्रेजी भाग—I (कोड सं० 02) :—प्रश्न पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा इस भाषा में सही तथा प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति की सामर्थ्य का पता चल सके।

अंग्रेजी भाग—II (कोड सं० 03) :—प्रश्न पत्र में इस प्रकार के प्रश्न होंगे जिनसे उम्मीदवारों की अच्छी अंग्रेजी लेखन तथा सार लेखन की सामर्थ्य का पता चल सके।

(3) अंकगणित (कोड सं० 04) :—संख्याओं, धारणाओं, प्रारम्भिक सांख्यिकी तथा अंकगणित के ज्ञान पर अधिक बल दिया जाएगा।

(4) सामान्य ज्ञान :—जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है (कोड सं० 05) सामाजिक घटनाओं का ज्ञान जो कुछ हम प्रतिदिन देखते हैं और अनुभव करते हैं उनके वैज्ञानिक पक्षों का ज्ञान जो एक साधारण पढ़े-लिखे नाटकीय की होना चाहिए जिससे किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल सम्बन्धी प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न पत्र में भारतीय इतिहास से सम्बन्धित ऐसे प्रश्न भी पूछे जायेंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार बिना किसी विशेष अध्ययन के ही दे सकते हैं।

परिशिष्ट—II

उन सेवाओं/पदों से सम्बन्धित विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के द्वारा भर्ती की जा रही है।

(I) भारतीय विदेश सेवा (ख)

विदेश मंत्रालय में और विदेश स्थित भारतीय राजनयिक कोंसलर मिशनों व केन्द्रों में सहायकों के सभी पद तथा वाणिज्य मंत्रालय में सहायकों के कुछ पद भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड—IV में सम्मिलित हैं ग्रेड—IV के नीचे के ग्रेडों को छोड़कर भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के विभिन्न ग्रेड निम्नलिखित हैं :—

ग्रेड	पदनाम	वेतनमान
ग्रेड—I	मुख्यालयों में अवर सचिव विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों पर प्रथम और द्वितीय सचिव	र० 1200-50-1600
समेकित ग्रेड—II और III	मुख्यालयों में सहायक (अताओं) और अनुभाग अधिकारी विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों में उप-कांसुल और रजिस्ट्रार	र० 650-30-740-35- 810-द० र० 35- 880-40-1000-द० र० 40-1200
ग्रेड—IV	मुख्यालयों में तथा विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों पर सहायक	र० 425-15-500-द० र० 15-560-20- 700-द० र० 25-800

टिप्पणी—समेकित ग्रेड—II और III में पदोन्नत सहायकों की कम से कम 710/- र० मासिक वेतन दिया जाता है।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-IV में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को बी वर्ष तक परिवीक्षाधीन रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने होंगे और ऐसी परीक्षाएं पार करने होंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित की गयी हों। प्रशिक्षण के दौरान संतोषजनक प्रगति न करने अथवा परीक्षाएं पास न करने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति को नौकरी से निकाला जा सकता है।

3. परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय सचिवालय सेवा और अन्य किसी सेवा संवर्ग में शामिल पदों पर नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं होगा। इसके अतिरिक्त ऐसे सभी व्यक्ति जो चाहे भारत में अथवा विदेश में किसी पद पर नियुक्त किए जाएं सेवा करने को बाध्य होंगे।

5. विदेशों में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों को मूल वेतन के अतिरिक्त संबद्ध देशों में निर्वाह व्यय आदि के अनुसार समय-समय पर स्वीकृत की जाने वाली दरों पर विदेश भत्ता भी दिया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों पर लागू हो गई है, विदेशों में सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी प्राण्य हैं :—

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित मान के अनुसार सुसज्जित नि:शुल्क आवास;
- (ii) सहायता-प्राप्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं;
- (iii) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारियों तथा उनके परिवारों के लिए गृह अवकाश-यात्रा;
- (iv) सरकार द्वारा यथा परिभाषित आपातकाल जैसे भारत में किसी निकट सम्बन्धी की मृत्यु अथवा गम्भीर बीमारी के समय भारत जाने और विदेश में कार्यस्थल पर वापस लौटने के लिए जाने-आने का एकल हवाई यात्रा व्यय जो पूरी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक दो बार मिलेगा;
- (v) भारत में क्षेत्रीय शैक्षिक संस्था में अध्ययन रत 6 से 22 वर्ष तक की आयु के बच्चों को कुछ शर्तों पर छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता के पास आने-जाने के लिए वार्षिक हवाई यात्रा व्यय;
- (vi) उक्त अधिकारी को विदेश में तैनाती स्थल पर अध्ययनरत 5 से 18 वर्ष तक की आयु तक के बच्चों की शिक्षा का व्यय जो अधिकतम दो बच्चों तक मिलेगा; कुल शर्तों के अधीन सरकार द्वारा बहूत किया जाता है;
- (vii) विदेशों में प्रति तैनाती पर रु० 1750/- परिसरजा भत्ता जो सारी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक 8 अवसरों तक मिलेगा।

6. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त सभी अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता, और पदोन्नति), नियमावली 1964 के अधीन और अन्य ऐसे नियमों और विनियमों के अधीन होंगे जो सरकार भविष्य में बनाये और उक्त सेवा पर लागू करे।

7. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग सहायक ग्रेड-में नियुक्त व्यक्ति, भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवर्ग वरिष्ठता और पदोन्नति, नियमावली, 1964 में समाविष्ट उपबन्धों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी—भारतीय विदेश सेवा (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-1 के अधिकारियों के लिए भारतीय विदेश सेवा (क) के रु० 1200-50-1300-60-1600-२० रु०-60-1900-100-2000 के, वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति के लिए सीमित कोटा उपलब्ध है।

(II) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के इस समय निम्नलिखित 4 ग्रेड हैं :—

1. जूनियर ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)—रु० 1500-60-1800-100-2000।
2. ग्रेड-1 (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)—रु० 1200-50-1600।
3. अनुभाग अधिकारी ग्रेड—रु० 650-30-740-35-810 रु०-35-880-40-1000-२० रु०-40-1200।
4. सहायक ग्रेड—रु० 425-15-500-२० रु०-15-560-20-700-२० रु०-25-800।

टिप्पणी :—अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नति सहायक कम से कम 710/- रु० प्रति मास वेतन प्राप्त करते हैं। सहायक के रूप में सीधे भर्ती हुए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसके दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसी परीक्षाएं देनी होंगी जो सरकार निर्धारित करे। यदि वे प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखा सकें और परीक्षाएं पास न कर सकें तो परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवामुक्त किया जा सकता है।

परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को, जितना उचित समझे, और बढ़ा सकती है।

उक्त सेवा के सहायक ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर प्रभावी नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा रेल मंत्रालय तक ही सीमित है और इसके कर्मचारी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के कर्मचारियों की तरह अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं किए जा सकते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती हुए अधिकारी :—

- (i) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और
- (ii) गैर अंशदायी राज्य रेलवे अधिष्य निधि के नियमों के अन्तर्गत उक्त निधि में अंशदान करेंगे जो कि रेल कर्मचारियों पर उनके सेवा में सम्मिलित होने की तारीख से लागू हो जाते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में नियुक्त कर्मचारी रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार पास और पी० टी० प्रो० के हकदार होंगे।

जहां तक छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों को रेलवे के अन्य अधिकारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में उन पर वे ही नियम लागू होंगे जो केन्द्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनके मुख्यालय गई दिल्ली में हैं।

(iii) (क) केन्द्रीय सचिवालय सेवा

केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे लिखे 4 ग्रेड हैं :—

- (1) चयन (सेलेक्शन) ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)—
र० 1500-60-1800-100-2000।
- (2) ग्रेड-1' (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)—र० 1200-50-1600।
- (3) अनुभाग अधिकारी ग्रेड—र० 650-30-740-35-810-
द० र० 35-880-40-1000-द० र० 40-1200।
- (4) सहायक ग्रेड—र० 425-15-500-द० र० 15-560
20-700-द० र० 25-800।

टिप्पणी :—जो सहायक अनुभाग अधिकारियों के पद पदोन्नत किये जाते हैं उन्हें कम से कम 710 रु० प्रति मास वेतन दिया जाएगा।

(2) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जाएगा। इस परीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवामुक्त किया जा सकता है।

(3) परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे, और बढ़ा सकती है।

(4) केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा में शामिल किसी एक मंत्रालय या कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि उन्हें किसी भी समय किसी अन्य मंत्रालय या कार्यालय में स्थानान्तरण किया जा सकता है।

(5) सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(6) जिन व्यक्तियों को उनके अपने ही विकल्प के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त किया गया हो, वे अपनी इस नियुक्ति के बाद किसी अन्य संघर्ष (कैंडिडेट) के किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे।

(iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में इस समय नीचे लिखे चार ग्रेड हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
(1) चयन ग्रेड (संयुक्त निदेशक या वरिष्ठ सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप क))	र० 1500-60-1800
(2) सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप क)	र० 1100-50-1600
(3) सहायक सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप ख—राजपत्रित)	र० 650-30-740-35-810-द० र० 35-880-40-1000-द० र० 40-1200।
(4) सहायक (ग्रुप ख—अराजपत्रित)	र० 425-15-500-द० र० 15-560-20-700-द० र० 25-800।

टिप्पणी :—

- (1) सहायक ग्रेड के अधिकारी को सहायक सिविलियन स्टाफ अफसर के ग्रेड में पदोन्नत होने पर सहायक सिविलियन स्टाफ

अफसर के ग्रेड के वेतनमान में कम से कम 710 रु० का आरम्भिक वेतन दिया जाएगा।

(2) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीक्षा में रखा जाएगा। इस परीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उसे सेवा से मुक्त किया जा सकेगा।

(3) परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

(4) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को किसी सेना मुख्यालय या सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा योजना में शामिल हो रहे अशस्त्र सेना संगठनों में से किसी एक में नियुक्त किया जाएगा। तथापि उन्हें किसी भी समय इसी प्रकार के किसी अन्य मुख्यालय या कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

(5) सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।

(6) जो व्यक्ति सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के सहायकों के ग्रेड में नियुक्त हो गए हैं, उनका ऐसी नियुक्ति के उपरान्त इस सेवा से बाहर किसी पद पर नियुक्ति अथवा स्थानान्तरण के लिए कोई दावा स्वीकार नहीं होगा।

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

सं० एक० 8/9/83-एन०एस०—डा० राजा जे० बैस्लीह, सदस्य, राष्ट्रीय बचन केन्द्रीय मलाहकार बोर्ड, जिसका पुनर्गठन 1 जनवरी, 1984 से 31 दिसम्बर, 1985 तक की अवधि के लिए, इस मंत्रालय के संकल्प संख्या एक० 8/9/83-एन०एस०, दिनांक 22 दिसम्बर, 1983 द्वारा किया गया था, ने बोर्ड के सदस्य के रूप में तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे दिया है।

ए० एल० तुली, उप-सचिव

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मार्च 1985

सं० 14/11/83-सी०टी०ई०—जनसाधारण की सूचना के लिए यह सूचित किया जाता है कि डा० बी० के० बछावत, निदेशक, भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान, कलकत्ता, को डा० ध्यागराजन, निदेशक, केन्द्रीय अमड़ा अनुसंधान संस्थान, मद्रास के स्थान पर तत्काल आज से 31-8-1985 तक के लिए अस्थायी परिपद, जैविक विज्ञान समूह का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डा० बी० के० बछावत, डा० ध्यागराजन के स्थान पर, उक्त समय के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की शासी सभा और सोसायटी के सदस्य रहेंगे।

एम० वरदराजन, सचिव
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान
विभाग, तथा महानिदेशक,
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान
परिषद्

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 1985

No. 27-Pres/85.—The President is pleased to approve the award of Sena Medal to the following Officers/personnel for exceptional devotion to duty/courage :—

1. Col. Gautam Govind Vahu, VSM (IC 12713) Maratha Light Infantry.
2. Lt. Col. Gur Iqbal Singh Dhodi, SC (IC-16598) Artillery.
3. Lt. Col. Pushkar Chand (IC 16588) VSM, Parachute Regiment.
4. Lt. Col. Narendra Kumar Gupta (IC 22126), Rajput.
5. Lt. Col. Surjit Singh Bhattal (IC 14624) Punjab.
6. Major Dharendra Kumar Chand (IC 23352), Artillery.
7. Major Koikal Vayalarikem Madhavan Satish (IC 24738), Artillery.
8. Major Avinash Walter Ranbhise (IC 17265), Garhwal Rifles.
9. Major Ajay Kumar Singh (IC 26561), Rajput.
10. Major Hawa Singh Dalal (IC-26817), Raj Rifles.
11. Major Prithipal Singh (IC 26890), Dogra.
12. Major Devinder Jit Singh (MR-02992), Army Medical Corps.
13. Major Govind Singh Shahi (IC-30514), Madras.
14. Major Jai Bahuguna (IC-25182) VSM, Engineers.
15. Major Bikram Kumar Singh (MR 03240), Army Medical Corps.
16. Major Gurmukh Singh Bali (IC-22094), Garhwal Rifles.
17. Captain Naresh Pundir (SS-29522), Garhwal Rifles.
18. Captain Rahul Katar (IC-33925), Artillery.
19. Captain Raj Gopal Laxman (IC-38111), Artillery.
20. Captain Yatindra Mohan Tewari (IC-25849), 1 Gorkha Rifles.
21. Captain Ashok Singh Pathania (IC 32074), J & K Rifles.
22. Captain Inder Bhushan Singh Rawat (IC 32928), Jat.
23. Captain Samir Kumar Chakravorty (IC -34600), Garhwal Rifles.
24. Captain Madhwa Nand Bughani (IC 35472), J&K.
25. Captain Balwinder Singh Kohli (IC 35906), Dogra.
26. Captain Yogendra Singh Chauhan (IC 36280), Gorkha Rifles.
27. Captain Sunil Venugopal (IC 38018), The Madras Regiment.
28. Captain Narendra Singh Chauhan (IC 39168), Grenadiers.
29. Captain Jasbir Singh Virk (IC 39260), Sikh.
30. Captain Inderjit Singh (IC 40071), Grenadiers.
31. Captain Amarek Singh (SS 30814), 8 Gorkha Rifles.
32. Captain Girish Mohan Sharma (IC 32555), Engineers.
33. Captain Rajiv Ranjan Sinha (IC 34650), Engineers.
34. Captain Ajit Shamrao Patil (IC 34647) Engineers.
35. Captain Hem Chandra Lohumj (IC 25406), Engineers.
36. Captain Ram Kumar (IC 33678), Electrical and Mechanical Engineers.
37. Captain Lingadakai Ramachandra (MS-11077), Army Medical Corps.

38. Shri Dorji Rinchan (IRLA 2369) Assistant Commandant BSF.
39. IRLA No. 2558 Assistant Commandant Prabhu Singh, BSF.
40. 2/Lt Anand Kumar (IC 40566), Assam Regiment.
41. 2/Lt Sanjay Anand (SS 31041), Rajputana Rifles.
42. 2/Lt Chander Deep (IC 42663, Artillery.
43. IC-63836 Subedar Kuriakose, Madras.
44. JC-75391 Subedar Namgyal Lama, J&K Rifles.
45. JC-78579 Subedar Rama Sawant, Maratha.
46. IC-84329 Subedar Colap Chandra Gogoi, Assam Regiment.
47. JC-88232 Subedar Waryam Singh, J&K Rifles.
48. JC-96133 Subedar Ram Singh, Sikh.
49. JC-100793 Subedar Bachan Singh, Garhwal Rifles.
50. JC-101973 Subedar Gopal Giri, Kumaon.
51. JC-103469 Subedar Prem Singh Rawat, Garhwal Rifles.
52. JC-108415 Subedar Bishnu Ram Bihar.
53. JC-112584 Naib Subedar Chhering Mutup, Ladakh Scouts.
54. JC-115838 Naib Subedar Keshar Singh, Kumaon Regiment.
55. 2655150 Naib Subedar Tara Chand Grenadiers.
56. IC-NYA 5235952 Naib Subedar Kul Bahadur Rana, Gorkha Rifles.
57. IC-NYA 9078072 Naib Subedar Ram Lal, J&K Light Infantry.
58. JC-111702 Naib Subedar Shyama Datt, Engineers.
59. JC-117093 Naib Subedar Santhian Joseph Thambi Durai, Elect. and Mech. Engineers.
60. JC-130353 Naib Subedar Vikram Singh Rana, Elect. and Mech. Engineers.
61. 4045145 Company Havildar Major Kunwar Singh, Garhwal Rifles.
62. 13608485 Company Havildar Major Brihaspati Singh, Parachute Regiment.
63. 2865633 Havildar Kalyan Singh, Rajputana Rifles.
64. 2968198 Havildar Raftan Singh, Rajput.
65. 436076 Havildar Mungam Anal, Assam Regiment.
66. 5336230 Havildar Chandra Bahadur Pun, Gorkha Rifles.
67. 5442112 Havildar Dip Bahadur Gurung, 5, Gorkha Rifles (FF).
68. 1242865 Havildar Lal Chand, Artillery.
69. 5748187 Havildar Bishnu Kumar Thapa, 8 Gorkha Rifles.
70. 9921340 Havildar Sonam Angchok, Ladakh Scouts.
71. 1355785 Havildar Padmanabhan Karangoth Nair, Engineers.
72. 55736 Havildar Samsber Bahadur Roka, Assam Rifles.
73. 2763234 Lance Havildar Kisan Pawar, The Maratha Light Infantry.
74. 9413543 Lance Havildar Pujendra Sing Basnet, 11 Gorkha Rifles.
75. 2665298 Naik Dharamjit Singh, The Grenadiers.
76. 2865304 Naik Chander Bhan, Rajputana Rifles.
77. 3372526 Naik Surjit Singh Sikh.
78. 3372457 Naik Gurbachan Singh, Sikh Regiment.
79. 9083143 Naik Kewal Raj, Jammu and Kashmir Light Infantry.
80. 9921286 Naik Chhewang Nurbu, Ladakh Scouts.
81. 13669506 Naik Bhim Sain, Guards.

82. 1455597 Naik Baldev Banger, Engineers.
83. 14214354 Naik Roshan Lal, Signals. (Posthumous)
84. 14334282 Lance Naik Kuldip Singh, Artillery.
85. 4054152 Lance Naik Birendra Singh Rawat, 5 Garhwal Rifles.
86. 4054892 Lance Naik Govind Singh, Garhwal Rifles.
87. 4056624 Lance Naik Bharat Singh, Garhwal Rifles.
88. 4168901 Lance Naik Bhupal Singh, Scouts B (Kumaon).
89. 9921536 Lance Naik Mohammad Shafi, Ladakh Scouts.
90. 13665648 Lance Naik Sunil Kumar Saha, Guards.
91. 13673579 Lance Naik Raghu Nath, Guards.
92. 9412902 Lance Naik Bhim Bahadur Limbu, 1/11 Gorkha Rifles. (Posthumous)
93. 1465904 Lance Naik Lakhwinder Singh, Engineers.
94. 14211823 Lance Naik Pritam Singh Rana, Signals.
95. 7770271 Lance Naik Braja Sundar Patnaik, Military Police.
96. 18772 Lance Naik Amar Bahadur Chhetri, Assam Rifles.
97. 1065153 Sowar Jawahar Singh, Armed Corps.
98. 15553659 Sapper Hardev Singh, Engineers.
99. 3376052 Sepoy Balbir Singh, Sikh.
100. 3981419 Sepoy Gopal Singh, Dogra.
101. 3982473 Sepoy Balvinder Singh, The Dogra Regiment.
102. 4056075 Rifleman Gyan Singh Garhwal Rifles.
103. 4250499 Sepoy Sipahi Ram, Bihar Regiment.
104. 4258163 Sepoy Sunil Oraon, Bihar.
105. 4258373 Sepoy Vinay Prasad Sharma, Bihar.
106. 4259523 Sepoy Shankar Dayal Ray, Bihar Regiment.
107. 4259773 Sepoy Fulgence Majhi, Bihar.
108. 5749747 Rifleman Bimal Kumar Thapa, 8 Gorkha Rifles.
109. 13614887 Paratrooper Shyam Lal, Parachute Regiment.
110. 6470243 Sepoy Shailendra Kumar Singh, Army Service Corps.
111. 13868484 Sepoy Arvind Bhai Patel, Army Service Corps. (Posthumous)

No. 28-Pres./85. The President is pleased to approve the award of Bar to Sena Medal to the following officers for exceptional devotion to duty/courage :—

1. Major Surrinder Singh (IC-26043), SM, Sikh.
2. Major Vijay Kumar Datta (IC-29732), SM, Gorkha Rifles.

No. 29-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of 'Vayu Sena Medal' to the following officers/personnel for exceptional devotion to duty/courage :—

1. Wing Commander Charanjit Singh Sanhu, Vr. C. (5591), Flying (Pilot).
2. Wing Commander Dilip Chootu Sambhare (7431) Flying (Pilot).
3. Wing Commander Ujwal Ramchandra Dabir (7665) Flying (Pilot).
4. Wing Commander Vasudevan Vatsalan Nair (7693) Flying (Pilot).
5. Wing Commander Jogendra Singh Sisodia (7696) Flying (Pilot).
6. Wing Commander Pritam Singh (8127-S) Flying (Pilot).

7. Wing Commander Narinder Singh Chahal (8155) Flying (Pilot).
8. Wing Commander Mahabir Prasad Premi, Vr. C. (8378) Flying (Pilot).
9. Wing Commander Raj Pal Singh Garcha (8413) Flying (Pilot).
10. Wing Commander Hardish Singh Sodhi (9000) Flying (Pilot).
11. Wing Commander Man Mohan Kapoor (9522) Flying (Pilot).
12. Wing Commander Paramjit Singh Sood (9719) Flying (Pilot).
13. Squadron Leader Jois Nagaraj (10451) Flying (Pilot).
14. Squadron Leader Anand Jaivanth Rao (10512) Flying (Pilot).
15. Squadron Leader Gurmohinder Singh Bajwa (10514) Flying (Pilot).
16. Squadron Leader Surinder Singh Bains (11288) Flying (Pilot).
17. Squadron Leader Rohit Rai (13160) Flying (Pilot).
18. Flt Lt Nadubitalu Mohan Rai (13841) Aeronautical Engineering (Mechanical).
19. 218480-S Master Warrant Officer Gopi Ram Punia, Flight Engineer.
20. 271455 Warrant Officer Ganduri Kasi Viswanadham, Flight Gunner.
21. 613557-R Corporal H. R. Joshi, EQ Assistant.
22. 616762 Corporal Kamdev Prasad Singh IAF/Police.

No. 30-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of Bar to Vayu Sena Medal to the undermentioned officer for exceptional devotion to duty/courage :—

1. Wing Commander Manek Bomanshaw Madon, VTM (7681) Flying (Pilot).

S. NILAKANTAN
Deputy Secretary to the President

CABINET SECRETARIAT

New Delhi, the 18th March 1985

RESOLUTION

No. 30-Pres./85.—The President is pleased to approve made in Resolution bearing No. 82/1/4/83-Cab. dated 10th February, 1984 issued by the Cabinet Secretariat setting up a "National Fund for Rural Development" published in the Gazette of India, Part I Section 1, dated 25th February 1984 :—

In paragraph 2 of the said Resolution, for entry 5, the following entry shall be substituted, namely :—

Secretary to the Government of India, Department of Rural Development (Gramin Vikas Vibhag), Ministry of Agriculture and Rural Development Krishi aur Gramin Vikas Mantralaya). Secretary".

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India and all State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. VENKATANARAYANAN,
Addl. Secy. to the Cabinet

PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 11th March 1985

No. 0.15011/1/82-SER.—Reference para 1 of the Planning Commission Resolution No. 0.15011/1/80-SER dated the 6th August, 1982.

2. After serial No. 2 in the 'Composition of the Committee', the following may be added :

(3) Dr. Raja J. Chelliah, Member, Planning Commission.

(4) Dr. A. M. Khusro, Chairman, National Institute of Public Finance and Policy, Special Institutional Area, near J.N.U., New Delhi.

3. The present entry at serial No. 3 may be deleted and the remaining entries may be renumbered as 5 to 19.

ORDER

ORDERED that a copy of the Notification be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

K. C. AGGARWAL,
Director (Admn.)

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 11th March 1985

RULES

No. 10/6/84-CS.II.—The rules for competitive examinations to be held by the Staff Selection Commission (Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms), New Delhi, once every two months during the year 1985, on Second Saturday and Sunday and if necessary, on the holiday/Sunday following thereafter, for the purpose of filling temporary vacancies in Grade 'D' of the Central Secretariat Stenographers' Service are published for general information.

2. The number of vacancies in the Central Secretariat Stenographers' Service to be filled on the result of the examination will be determined by Government from time to time and intimated to the Staff Selection Commission before the results of the examination are announced by the Commission. The approximate number from each examination will be 50. The Reservations will be made for candidates who are ex-servicemen, Scheduled Caste and Scheduled Tribe and Physically handicapped in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

(i) Ex-serviceman means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant), in the Armed Forces of the Union, including the Armed Forces of the former Indian States, but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineering Force, Lok Shiyak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation, and

(a) has been released, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or

(b) has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid, or

(c) has been released at his own request, after completing five years service in the Armed Forces of the Union.

(ii) The physically handicapped persons means only an Orthopaedically handicapped and are those who have a physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

3-1GT/85

No. scribe will be allowed to the physically handicapped and other categories of persons appearing in the examination. (iii) Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1961; as amended by the State diled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, and the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1980 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

3. The examination will be conducted by the staff Selection Commission, in the manner prescribed in the Appendix-I to these Rules. For the purpose of admission they will be required to submit applications, on plain paper as in the form given in Appendix-II, which shall after due scrutiny will be forwarded by the Ministry/ Department/Office concerned to the Staff Selection Commission latest by the 1st of the month preceding the month in which the examination is to be held.

4. Any permanent or temporary regularly appointed LDC/UDC of the Central Secretariat Clerical Service, shall be eligible to appear at the examination and compete for the vacancies.

4 (1). Length of Service : He should have, on the 'crucial date' (as defined under Regulation 2(a) of the Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D' (Competitive Examination) (Regulations, 1969) rendered not less than two years approved and continuous service in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

Note 1 : The limit of two years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

Note 2 : Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service for the time being.

Note 3 : Regularly appointed officers to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade means, an officer allotted to any of the cadres of the Central Secretariat Clerical Service at the commencement of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 or appointed thereafter on a long-term basis to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Service as the case may be, according to the prescribed procedure.

(2) Age : A candidate for this examination should not be more than 50 years of age on the 'crucial date' (as defined under Regulation 2 (a) of the Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D' (Competitive Examination) (Regulations, 1969).

(3) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-servicemen who have put in not less than six months continuous service after attestation, in the

Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

Note—The Period of 'call up service' of an ex-service man in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 3 above.

5. The upper age limit prescribed above will be further relaxable.

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and also a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in Operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof;
- (xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam not earlier than July, 1975;

(xiv) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975 and

(xi) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, i.e. Orthopaedically handicapped and partially deaf.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE WILL IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate who fails in the examination will not be eligible to take the next examination but only that following the next examination or subsequent examination.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

8. Candidates must pay the prescribed fee of Rs. 8/- (Rupees eight only) for general Candidates and Rs. 2/- (Rupees two only) for Scheduled Caste/Scheduled Tribe candidates either by postal orders or bank draft.

(No fees are payable by Ex-servicemen).

9. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

10. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

11. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in one list, in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall

be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination in the Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D'.

Provided that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Staff Selection Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of those candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination. Ex-servicemen who are considered by the Commission to be suitable for appointment on the results of the examination shall be eligible to be appointed against the vacancies reserved for them, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission, by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen, subject to the fitness of these candidates for selection to the service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that if any ex-servicemen belonging to the Scheduled Caste or Scheduled Tribe is selected, his selection shall be counted against the overall quota of reservations as that shall be provided for the Scheduled Castes/Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

NOTE : Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to Grade 'D' of the Service on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for appointment right as a Stenographer Grade 'D' on the basis of his performance in this examination as a matter of right.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them, regarding the result.

13. Success in the examination confers no right to selection, unless the Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection.

A candidate who, after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien on Central Secretariat Clerical Service will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a candidate who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

H. G. MANDAL, Under Secy.

APPENDIX-I

Candidates will be given one dictation test in English or in Hindi at 80 words per minutes for 10 minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 65 minutes and the candidates who opt to take the test in Hindi will be required to transcribe the matter in 75 minutes respectively. The shorthand tests will carry a maximum of 300 marks.

NOTE : Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English Stenography and vice versa, after their appointment.

2. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose, they will be required to bring their own typewriters with them.

APPENDIX-II

PROFORMA

STAFF SELECTION COMMISSION GRADE 'D' STENOGRAPHERS COMPETITIVE EXAMINATION

Closing Date : 1st of the month previous to the month of the Examination.

Signed passport size photograph of the candidate to be pasted here. Another signed photograph should be firmly attached to the application.

1. Particulars of Postal Orders/
Bank Draft and the value
2. Name of the candidate Shri/Smt./Kum.
(in capital letters)
3. Exact date of birth
(in Christian Era)
4. Name and address of office
where working.
5. Are you a
 - (i) scheduled Caste
 - (ii) Scheduled Tribe
 - (iii) Ex-servicemen
 - (iv) Physically handicapped
person?
Answer 'Yes' or 'No'
6. (i) Father's name
(ii) Husband's name (in case
of lady candidate)
7. State the language (Hindi or
English) in which you wish to
take the shorthand test.
8. Whether appeared in the
previous Examination, if
so, indicate the month and
Roll No.
9. Are you a permanent or temporary
regularly appointed officer of the
Lower Division Grade/Upper Division
Grade of the Central Secretariat
Clerical Service and have rendered
not less than two years approved
and continuous Service in the rele-
vant grade on the 1st January of
the year in which the examination
is held.
10. In case you are on deputation to
an ex-cadre post with the approval
of the competent authority, or the
ex-cadre post is on transfer basis.
State whether you continue to
hold a lien on the previous post.

Signature of Candidate.

To be FILLED BY THE HEAD OF DEPARTMENT OF
THE OFFICE WHERE THE CANDIDATE IS SERVING
Certified that :—

- (i) the entries made by the candidate in columns of
the application have been verified with reference to
his/her service records and are correct.

- (ii) his application has been scrutinised and it is certified that he fulfils all the conditions laid down in the rules and is eligible in all respects to appear at the examination.

Signature :
Name :
Designation :
Deptt./Office :

No.

Date : _____

NOTE :—A candidate who once fails can take the examination only after another three months, i.e. a candidate who fails in the examination to be held in April, can take the examination to be held in August or subsequently.

New Delhi, the 6th April, 1985

RULES

No. 6/2/85-CS.(1).—The Rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1985 for the purpose of filling vacancies in the following Services/posts are published for general information :—

- (i) Grade IV (Assistants) of General Cadre of the Indian Foreign Service (B);
- (ii) Assistants' Grade of the Railway Board Secretariat Service;
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service;
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service; and
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the IFS(B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service.

1. A candidate may compete in respect of any one or more of the Services/posts mentioned above.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe shall be permitted more than three attempts at the examination. The restriction is effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination once for all the Services/posts covered by the examination if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 2.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 3.—Notwithstanding the disqualification/cancellation, the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st January, 1985, i.e. he must have born not earlier than the 2nd January, 1960 and not later than the 1st January, 1965.

(b) The upper age limit will be relaxable upto the age of 30 years in respect of LDCs/UDCs/Stenographers Grade D with not less than 3 years continuous and regular service on 1st January, 1985 in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the Office of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat.

Candidates holding posts, which are not designated as LDC/UDC/Stenographer Grade D will not be eligible for age relaxation under this sub-rule, even though the posts held by them are in identical pay scale.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person, from erstwhile East Pakistan (Now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (Now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (x) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Service personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport Holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen and Commissioner Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1985 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1985), otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioner Officer including ECO/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1985 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1985), otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or one invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

NOTE.—The candidature of a person who is admitted to the examination under Rule 6(b) shall be cancelled if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his Department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible, if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

An I.D.C./U.D.C./Stenographer Grade D who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains

lien on the post from where he is transferred will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission, Act, 1956 or possesses an equivalent qualification.

NOTE I.—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees will also be eligible for admission to the examination.

NOTE II.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible to apply for admission to the Commissioner's examination.

NOTE III.—In exceptional cases, the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the above qualifications, as educationally qualified provided that he has passed an examination conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

8. All candidates in Government service whether in a permanent or in a temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily rated employees, or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should not that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred, either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the result of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/ posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given, at the time of making appointment on the result of the examination, to the preference expressed by a candidate for various Services/Posts in the detailed application form which will be supplied to him by the Commission if he is declared finally qualified on the result of the examination.

16. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended if considered necessary.

17. Candidates will be required to pass a test in typewriting at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi within a period of two years from the date of appointment to the Assistants' Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed period, they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistants' Grade until they pass such test or are exempted from this requirement under a special or general order; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be relaxed as if their increments had not been withheld, but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

20. Success at the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service/Post.

21. Conditions of Service for Assistants in the Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, the Central Secretariat Service and the Armed Forces Headquarters Civil Service are briefly stated in Appendix II.

B. D. CHADHA, Under Secy.

APPENDIX I

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Sl No.	Subject	Code No.	Max Marks.	Time Allowed
1.	Essay	01	100	2 hours
2.	English in two-parts (I&II)		200	3 hours
	Part I	02	70	1 hour
	Part II	03	130	2 hours
3.	Arithmetic	04	100	2 hours
4.	General Knowledge including Geography of India	05	100	2 hours

N.B.—In the case of the paper "English, if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

2. The question papers in English Part I. Arithmetic and General Knowledge including Geography of India will consist of objective type questions.

3. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

4. Candidates are allowed the option to answer Paper I either in Hindi (Devanagari) or in English. Question papers in Essay, Arithmetic and General Knowledge including Geography of India will be set both in Hindi and in English.

NOTE 1—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

NOTE 2—Candidates desirous of exercising the option to answer Paper I in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in Col. 6 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the paper in English.

The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained.

If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper of such candidates will not be valued.

Candidates who opt to answer the Essay paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms. If any, in addition to the Hindi version.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks for each subject will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in Essay and English Part II of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

11. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

12. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

SYLLABUS OF THE EXAMINATION

(1) Essay (Code No. 01)—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(2) English

English Part I (Code No. 02)—Paper will be designed to test the candidates ability to understand English and write in that language correctly and effectively.

English Part II (Code No. 03)—Paper will consist of questions designed to test candidates ability to write good English and for precis writing.

(3) Arithmetic (Code No. 04)—There will be greater emphasis on understanding of numbers, graphs, elementary statistics and arithmetic.

(4) General Knowledge including Geography of India (Code No. 05)—Knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on Geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature, which candidates should be able to answer without special study.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination.

(i) Indian Foreign Service (B)—

All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular Missions and Posts abroad, and a few posts of Assistants in the Ministry of Commerce, are included in Grade IV of the General cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV, are as follows:—

Grade I	Designation	Scale of Pay
Grade I	Under Secretaries at Hqrs. First and second Secretaries in Missions and posts abroad.	Rs. 1200-50-1600
Integrated Grades II&III	Attache and Section Officer at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions and posts abroad.	Rs. 650-30-740-35 810-EB-35-880-40- 1000-EB-40-1200
Grade IV	Assistant at Hqrs. and in Missions and Posts abroad.	Rs. 425-15-500. EB-15-560-20-700- EB-25-800.

NOTE: Assistants promoted to the Integrated Grades II & III are allowed a minimum pay of Rs. 710/- p.m.

2. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to posts included in the Cadre of the Central Secretariat Service or any other Service. Further, all such persons will be liable to serve in any posts either in India or abroad to which they may be posted.

5. During service abroad, IFS(B) officials are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers:—

- Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules;
- Return Single Air Passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two years throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of a near relation in India as may be defined by the Government.
- Annual return air passage for children between the ages of 6 and 22 studying in regional educational institution of India to visit parents during vacation subject to certain conditions;
- Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions.
- Outfit allowance Rs. 1,750/- per posting abroad subject to maximum of 8 occasions during the entire career.

6. All Officers appointed to the IFS (B), will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion), Rules, 1964 and also to other rules and regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the IFS (B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

NOTE: In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment, Cadre Seniority and Promotion) Rules, 1964, a limited quota is available to officers in Grade I of the Indian Foreign Service (B) for promotion to the Senior scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of pay of Rs. 1200-50-1300-60-1600-EB-60-1900-100-2000.

(ii) The Railway Board Secretariat Service:—

The Railway Board Secretariat Service has at present 4 grades as follows:—

1. Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 1500-60-1800-100-2000.

2. Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 1200-50-1600.

3. Section Officers Grade—Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

4. Assistants Grade—Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

NOTE: Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum of Rs. 710 p.m.

Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

Persons recruited to Assistant's Grade of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

The Railway Board Secretariat Service is confined to the Ministry of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Service.

Officers of the Railway Board Secretariat Service recruited under these rules:

- (i) Will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) Shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they joined the service.

The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Service will be entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board Secretariat Service are treated in the same way as other railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iii) Central Secretariat Service.

The Central Secretariat Service has at present four grades as follows:—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) —Rs. 1500-60-1800-100-2000.
- (2) Grade I (Under Secretary or equivalent) —Rs. 1200-50-1600.
- (3) Section Officers Grade—Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.
- (4) Assistants Grade—Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

NOTE: Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum pay of Rs. 710 p.m.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants' Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their option for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post included in any other cadre.

(iv) The Armed Forces Headquarters Civil Service.

The Armed Forces Headquarters Civil Service has at present four grades as follows:—

Grade	Scale of Pay
(1) Selection Grade (Joint Director or Senior Civilian Staff Officer) Group A.	Rs. 1500-60-1800
(2) Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 1100-50-1600
(3) Assistant Civilian Staff Officer (Group B-Gazetted)	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.
(4) Assistant (Group B-non gazetted)	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

NOTE: An officer of the Grade of Assistant promoted to the grade of Assistant Civilian Staff Officer shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 710/- in the scale of the Grade of Assistant Civilian Staff Officer.

(2) Persons recruited direct as Assistant will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter Service Organisations, participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to post not included in that Service.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 11th March 1985

No. F. 8/9/83-NS.—Dr. Raja J. Chelliah, Member, National Savings Central Advisory Board reconstituted for the period from 1st January, 1984 upto 31st December, 1985 vide this Ministry's Resolution No. F. 8/9/83-NS dated the 22nd December, 1983 has resigned as a Member of the Board with immediate effect.

A. L. TULI, Dy. Secy.

**DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL
RESEARCH**

New Delhi-1, the 12th March 1985

No. 14/11/83-CTE.—It is notified for general information that Dr. B. K. Bachhawat, Director, Indian Institute of Chemical Biology, Calcutta has been appointed as Chairman, Coordination Council, Biological Sciences Group with immediate effect upto 31-8-1985 in place of Dr. G. Thyagarajan,

Director, Central Leather Research Institute, Madras. Consequently, Dr. Bachhawat will be Member of the Governing Body and the Society of Council of Scientific & Industrial Research for the said duration in place of Dr. Thyagarajan.

S. VARADARAJAN, Secy.
Department of Scientific & Industrial Research
and Director General,
Scientific & Industrial Research,

